



विद्यासागर विश्वविद्यालय
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2021

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject : SANSKRIT

Paper : DSE 1B/2B-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

[LITERARY CRITICISM]

अधोलिखितेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम् :

15 × 4 = 60

1. मम्मटमतानुसारं काव्यप्रयोजनमालोच्यताम्।—मम्मटमते काव्ये प्रयोजन आलोचना कर।
2. आचार्यमम्मटानुसारं काव्यलक्षणं व्याख्यायताम्।—आचार्य मम्मटैर मते काव्ये लक्षण व्याख्या कर।
3. मम्मटमते काव्यहेतुः प्रतिपाद्यताम्।—मम्मटमते काव्ये हेतु प्रतिपादन कर।
4. अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम्—इति व्याख्यायताम्।—अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम्—व्याख्या कर।
5. इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्वुधैः कथितः—व्याख्यायताम्।
इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्वुधैः कथितः—व्याख्या कर।

6. अधमकाव्यस्य लक्षणं भेदं च सोदाहरणं विवेचयत्।—अधमकाव्येर लक्षण ओ तार भेद उदाहरणसह आलोचना कर।
7. नियतिकृतनियमरहितामिति पद्यं काव्यशास्त्रानुसारं व्याख्यायताम्।
नियतिकृतनियमरहिताम्—काव्यशास्त्रानुसारे व्याख्या कर।
8. काव्यप्रकाशग्रन्थस्यानुबन्धचतुष्टयं प्रतिपाद्यताम्।—काव्यप्रकाशग्रन्थे अनुबन्ध चतुष्टय प्रतिपादन कर।

Vidyasagar University

Or

[NATIONALISM IN SANSKRIT LITERATURE]

अधोलिखितेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम् :

15 × 4 = 60

1. संस्कृतसाहित्ये आलोचितानि राष्ट्रस्य मूलोपादानानि व्याख्येयानि ।
2. जाति-शब्दस्य कोऽर्थः ? पाश्चात्यदृष्ट्या जात्याः गठनमूलकानि उपादानानि आलोच्यन्ताम् ।
3. जातीयता किम् ? जातीयतायाः संगठकोपादानरूपैः जातीयसंहतीनां भूमिका आलोच्यताम् ।
4. जातीयतावादस्य विशेषवैशिष्ट्याणि निरूप्यन्ताम् ।
5. वैदिकं पौराणिकं च साहित्यमवलम्ब्य 'भारतवर्ष' इति नामकरणस्य विविधमतम् आलोच्यताम् ।
6. भारतवर्षस्य जातीयप्रतीकानां विवरणं विशदम् आलोच्यताम् ।
7. आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये जातीयचेतनायाः प्रभावः व्याख्येयः ।
8. टीका कार्या : राजाराममोहनः रायः, विवेकानन्दः, वीर-साभारकारः ।

[बङ्गानुवाद]

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

15 × 4 = 60

1. সংস্কৃত সাহিত্যে আলোচিত রাষ্ট্রের মূল উপাদানগুলি আলোচনা কর।
2. জাতি শব্দের অর্থ কি? পাশ্চাত্য দৃষ্টিভঙ্গি অনুযায়ী জাতির গঠনমূলক উপাদানগুলি সম্পর্কে আলোচনা কর।
3. জাতীয়তা কি? জাতীয়তার সংগঠকোপাদানরূপে জাতীয় সংহতির ভূমিকা আলোচনা কর।
4. জাতীয়তাবাদের বিশেষ বৈশিষ্ট্যগুলি নিরূপণ কর।
5. বৈদিক এবং পৌরাণিক সাহিত্য অবলম্বনে 'ভারতবর্ষ' এই নামকরণের বিভিন্ন মতামত আলোচনা কর।
6. ভারতবর্ষের জাতীয় প্রতীকগুলির বিস্তৃত বিবরণ দাও।
7. আধুনিক সংস্কৃত সাহিত্যে জাতীয় চেতনার প্রভাব আলোচনা কর।
8. টীকা লেখ : রাজা রামমোহন রায়, বিবেকানন্দ, বীর সাভারকার।

Or

[MATHEMATICAL TRADITION IN SANSKRIT]

अधोलिखितेषु यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम् :

15 × 4 = 60

(যেকোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

1. वैदिक-गणितमाप्रित्य प्रबन्धोविरच्यताम्।
(বৈদিক গণিত বিষয়ে একটি প্রবন্ধ রচনা কর।)
2. लीलावती इति कस्य ग्रन्थस्य अन्तर्गतः ? अस्य आशयः लिख्यताम्।
(लीलावती कौन ग्रन्थे अन्तर्गत? এর বিষয়বস্তু লেখ।)
3. 'आर्यभटीयम्' इति ग्रन्थस्य आशयः वैशाद्येन पर्यालोच्यताम्।
(‘आर्यभटीयम्’ ग्रन्थे विषयवस्तु विशदभावे पर्यालोचना कर।)
4. गणितशास्त्रे ब्रह्मिहिराचार्यस्य अवदानम् आलोच्यताम्।
(गणितशास्त्रे आचार्य ब्रह्मिहिरের অবদান আলোচনা কর।)
5. 'ज्योतिषम्' आप्रित्य प्रबन्धो विरच्यताम्।
(‘ज्योतिष’ বিষয়ে প্রবন্ধ রচনা কর।)
6. बीजगणितविद्या, कलनविद्या, संख्यातत्त्वम्, शून्यतत्त्वं चेति विषयचतुष्टयं स्पष्टीक्रियताम्।
(बीजगणितविद्या, कलनविद्या, संख्यातत्त्व एवं शून्यतत्त्व—এই চারটি বিষয় স্পষ্ট কর।)
7. भारतीय-ज्योतिषशास्त्रे ब्रह्मगुप्तस्य अवदानम् आलोच्यताम्।
(भारतीय ज्योतिषशास्त्रे ब्रह्मगुप्तের অবদান আলোচনা কর।)
8. भारतीय-गणितचर्चाया ऐतिह्यम् संक्षेपेण लेखनीयम्।
(भारतीय गणितचर्चाया ऐतिह्य संक्षेपे लेख।)

